Daily Current Affairs

Date : 28 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	देश का पहला जिंक पार्क – खानखला (भीलवाड़ा)
2.	नाम परिवर्तित : माउंट आबू - आबू राज, जहाजपुर - यज्ञपुर तथा कामां - काम वन
3.	'वित्त एवं विनियोग विधेयक' पर जवाब के दौरान घोषणाएँ
4.	राजीविका एवं COWE का 'महिला उद्यमिता कार्यक्रम'
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान में 'चिकित्सा एवं स्वास्थ्य' पर खर्च 2. राजस्थान में आयुर्वेद चिकित्सालयों की स्थिति 3. उच्च शिक्षा विभाग का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन - 2025-26 4. चर्चा में 'झाखरड़ा वन क्षेत्र' 5. पुरातात्विक स्थल 'रीढ़ का टीला' 6. भारतीय रेलवे का राजस्थान में कोच रखरखाव सुविधा का विस्तार 7. 'सोलर सखी' कार्यशाला 8. सुरेंद्र सिंह शाहपुरा 9. 'स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट' में राजस्थान
6.	भारत: एक उभरती हुई वैश्विक समुद्री महाशक्ति
7.	INS अंजदीप
8.	औद्योगिक गलियारे भारत के औद्योगिक तंत्र को मजबूत करने की कुंजी
9.	न्यायालय की अवमानना
10.	राज्य नवाचार मिशन (SIM)
11.	प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)
12.	भारतीय प्रधान मंत्री की इजरायल यात्रा संपन्न
13.	हेक्सागॉन एलायंस

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

देश का पहला जिंक पार्क – खानखला (भीलवाड़ा)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) ने भीलवाड़ा के खानखला में एक फ्लैगशिप जिंक पार्क स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- खानखला (भीलवाड़ा) में स्थापित होने वाला यह देश का पहला जिंक पार्क होगा।
- **समझौता :** HZL ने त्रिपुरा ग्रुप के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता हिंदुस्तान जिंक के जिंक-बेस्ड वैल्यू चेन के लिए डेडिकेटेड भारत का पहला इंटीग्रेटेड डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्रियल हब बनाने के प्लान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) वेदांता समूह की दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी है और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 5 चाँदी उत्पादकों में से एक है।
- **स्थापना :** वर्ष 1966 में।
- **मुख्यालय :** उदयपुर (राजस्थान)
- इस कंपनी ने वर्ष 2024 में इकोजेन (EcoZen) लॉन्च किया, जो एशिया का पहला 'लो कार्बन ग्रीन जिंक' ब्रांड है।
- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड वर्ष 2025 में 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स (ICMM)' में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंपनी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नाम परिवर्तित : माउंट आबू - आबू राज, जहाजपुर - यज्ञपुर तथा कामां - काम वन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, मुख्यमंत्री ने विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर जवाब के दौरान राजस्थान के तीन स्थानों का नाम परिवर्तित किए जाने की घोषणा की।

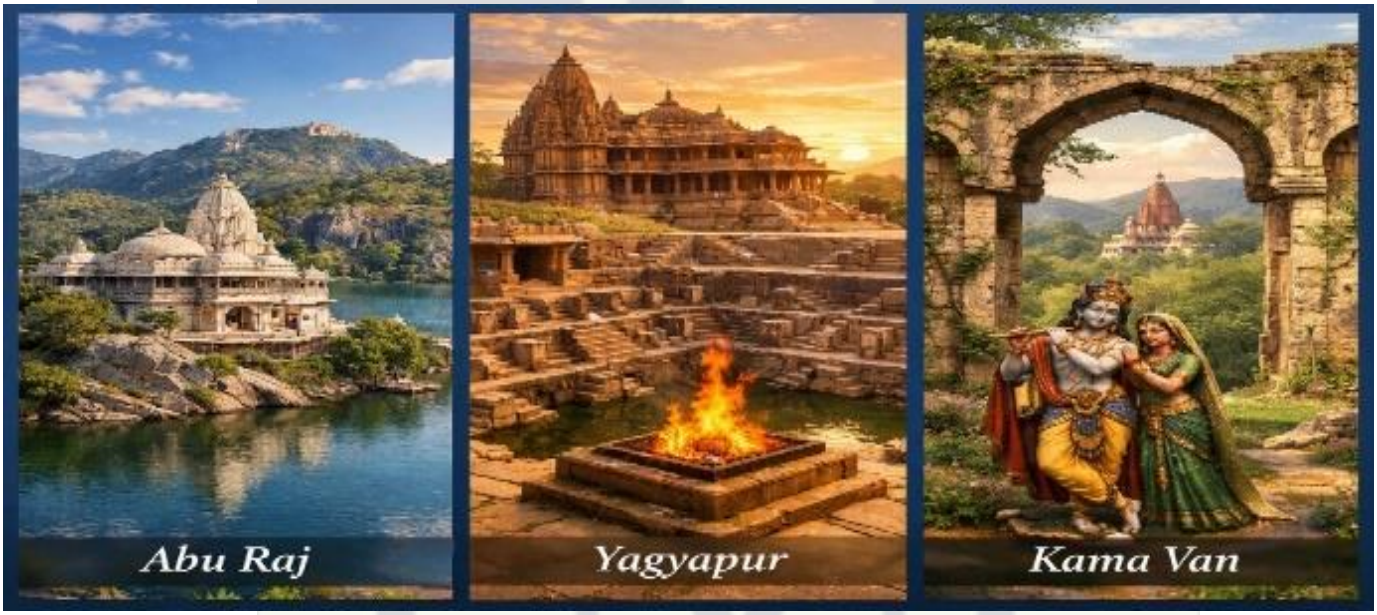

मुख्य बिन्दु:

क्रम	पुराना नाम	ज़िला	नया नाम	विशेष विवरण
1.	माउंट आबू	सिरोही	आबू राज	■ राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू ठंडे मौसम, संगमरमर के खूबसूरत मंदिरों और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के लिए मशहूर है। ■ इसे 'रेगिस्तान में नखलिस्तान' के उपनाम से भी जाना जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.	जहाजपुर	भीलवाड़ा	यज्ञपुर	■ जहाजपुर ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक महत्व और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। ■ **जहाजपुर का किला :** निर्माण मूल रूप से सम्राट अशोक के पौत्र संप्रति ने करवाया था। बाद में 14वीं शताब्दी में राणा कुंभा ने इसका पुनर्निर्माण करवाया। ■ **स्वस्ति धाम (जैन मंदिर) :** यहाँ का श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र विश्व भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि इसे एक जहाज के आकार में बनाया गया है। ■ **बारह देवरा :** भगवान शिव को समर्पित 12 प्राचीन मंदिरों का समूह। ■ **गैबी पीर मस्जिद :** अकबरकालीन मुस्लिम संत गैबी पीर को समर्पित।
3.	कामां	डीग	काम वन	■ यह ब्रज भूमि का हिस्सा है और भगवान श्रीकृष्ण की क्रीड़ास्थली माना जाता है। यह ब्रज के 84 कोस परिक्रमा मार्ग का एक प्रमुख पड़ाव है। ■ **भोजन थाली मेला :** यह स्थान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ा है। माना जाता है कि यहाँ श्रीकृष्ण ने अपने सखाओं के साथ बैठकर भोजन किया था।

■ **अन्य नाम परिवर्तन :** कोटा के रंगबाड़ी स्थित प्राचीन बालाजी मंदिर के तालाब को 'श्री बागेश्वर बालाजी तालाब' तथा दौलतगंज स्थित तालाब को 'पार्वती तालाब' के नाम से जाना जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'वित्त एवं विनियोग विधेयक' पर जवाब के दौरान घोषणाएँ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में 'वित्त एवं विनियोग विधेयक' पर जवाब के दौरान प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएं की।

मुख्य बिन्दु:

- **अटल बिहारी वाजपेयी ग्लोबल सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग :** युवाओं के कौशल विकास तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जयपुर में ₹450 करोड़ की लागत से।
- **नोट :** 25 दिसम्बर, 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती (सुशासन दिवस) के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जयपुर में 'अटल काव्य स्मारक' (मानसरोवर सिटी पार्क) और 'अटल लोकतंत्र उपवन' की स्थापना किए जाने की घोषणा की थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- पूरे राज्य में 1000 नए अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना।
- **स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड :** स्कूलों की आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने हेतु ₹2,000 करोड़ का कोष।
- **सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि में वृद्धि :** सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत पेंशन राशि में ₹150 की वृद्धि कर इसे ₹1,450 प्रतिमाह किया जाएगा।
- **नोट :** ज्ञातव्य है कि राजस्थान सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रदान की जाने वाली ₹1250 की राशि ₹1300 करने की घोषणा भी हाल ही में की गई। यह वृद्धि राशि 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी लेकिन फरवरी, 2026 से देय होगी।
- **श्रीयादे पैनोरमा :** झालामंड (जोधपुर)।
- **नागणेचिया माता पैनोरमा :** नागाणा (बालोतरा)।
- **ऑरेंज इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम :** डिजिटल स्किल रखने वाले युवाओं के प्रोत्साहन हेतु।
- **AI एवं क्वांटम कम्प्यूटिंग मिशन :** AI एवं मशीन लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजीविका एवं COWE का 'महिला उद्यमिता कार्यक्रम'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) एवं कन्फेडरेशन ऑफ वुमेन एंटरप्रेन्योर्स (COWE) के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में 'महिला उद्यमिता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन अवधि :** 27 - 28 फरवरी, 2026
- **आयोजन स्थल :** कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान, जयपुर।
- **सम्मेलन का मुख्य विषय :** 'रूट्स टू विंग्स' (Roots to Wings)
- यह कार्यक्रम 'विमेंस इंटरनेशनल समिट ऑन एंटरप्रेन्योरशिप (WISE) – 2026' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिला उद्यमिता, सतत आजीविका एवं समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- **'नेवती सखी' कंपनी :** 'महिला उद्यमिता कार्यक्रम' के दौरान जोधपुर के केरु गाँव की 'चामुंडा माता स्वयं सहायता समूह' की सदस्य गीता देवी ने अपनी कंपनी 'नेवती सखी' द्वारा निर्मित बाजरे के बिस्किट प्रदर्शित किए।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP) या राजीविका

- राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP) या राजीविका की स्थापना वर्ष 2010 में राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त संस्था के रूप में की गई थी।
- यह राजस्थान सोसायटी अधिनियम - 1958 के तहत पंजीकृत सोसायटी है।
- **अध्यक्ष :** मुख्यमंत्री।

उद्देश्य:

- ग्रामीण विकास के लिए की जा रही सरकारी और गैर-सरकारी पहलों के बीच प्रभावी अभिसरण लाना।
- स्वयं सहायता समूहों, उत्पादक संगठनों, सामुदायिक विकास संगठनों, स्वयं सहायता समूहों के महासंघों के गठन और सुदृढ़ीकरण में सहायता करना।
- गरीबों की आय बढ़ाने के लिए कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में लघु और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान में 'चिकित्सा एवं स्वास्थ्य' पर खर्च** ■ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा प्रकाशित 'स्टेट फाइनेंस रिपोर्ट – 2025' के विश्लेषण के अनुसार वर्ष 2025-26 में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर सभी राज्यों का औसत व्यय 6.19 प्रतिशत है। वहीं राजस्थान ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर वर्ष 2025-26 में ₹31,888 करोड़ तथा वर्ष 2026-27 में ₹32,526 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। ■ यह कुल प्रावधान का क्रमशः 8.4 प्रतिशत एवं 8.02 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 एवं वित्त आयोग की अभिशंषा द्वारा निर्धारित 8 प्रतिशत के बैंचमार्क से अधिक है।
2.	**राजस्थान में आयुर्वेद चिकित्सालयों की स्थिति** 1. आयुर्वेद चिकित्सालय — 127 2. ब्लॉक आयुष चिकित्सालय — 86 3. आयुर्वेद औषधालय — 3575 4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय — 3 5. योग एवं प्राकृतिक औषधालय — 3 6. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र — 33
3.	**उच्च शिक्षा विभाग का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन - 2025-26** ■ वर्तमान सत्र में राजस्थान में 100 छात्रों के मुकाबले कॉलेज में 127 छात्राएँ अध्ययनरत है, जो राजस्थान में बढ़ती महिला शिक्षा का मजबूत संकेत है। ■ राजस्थान में सत्र 2025-26 में कुल 7.02 लाख छात्राओं का कॉलेज में नामांकन हुआ, वहीं छात्रों का नामांकन 5.54 लाख रहा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**चर्चा में 'झाखरड़ा वन क्षेत्र'** ■ बाड़मेर स्थित झाखरड़ा वन क्षेत्र को राजस्थान वन विभाग द्वारा वन्य जीव कंजर्वेशन रिजर्व के रूप में विकसित किया जाएगा। ■ झाखरड़ा वन क्षेत्र बाड़मेर और जालोर जिले की सीमा पर स्थित है। यह क्षेत्र चिंकारा, मरू लोमड़ी और प्रवासी पक्षियों के लिए एक प्राकृतिक आश्रय स्थल है।
5.	**पुरातात्विक स्थल 'रीढ़ का टीला'** ■ झुंझुनू जिले की खेतड़ी तहसील के त्योंदा गाँव में स्थित 'रीढ़ का टीला' एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है, जहाँ हाल ही में पुरातत्व विभाग ने बड़ी खोज की। ■ **प्राचीन मंदिर के अवशेष :** यहाँ 11वीं-12वीं शताब्दी के एक भव्य मंदिर के अवशेष मिले हैं। खुदाई के दौरान लक्ष्मी और गणेश की प्राचीन खंडित मूर्तियाँ प्राप्त हुई हैं, जो इस क्षेत्र की समृद्ध धार्मिक विरासत को दर्शाती हैं।
6.	**भारतीय रेलवे का राजस्थान में कोच रखरखाव सुविधा का विस्तार** ■ हाल ही में, रेल मंत्रालय द्वारा ₹871 करोड़ के नवीन प्रोजेक्ट जारी किए गए जिसमें से ₹314 करोड़ राजस्थान के श्रीगंगानगर और लालगढ़ (बीकानेर) के लिए तय किए गए। ■ **कोच मेंटेनेंस डिपो :** श्रीगंगानगर और लालगढ़ में हाई-टेक कोच मेंटेनेंस सुविधाएँ विकसित की जाएंगी।
7.	**'सोलर सखी' कार्यशाला** ■ हाल ही में, भारतीय स्टेट बैंक (SBI), एशियाई विकास बैंक (ADB) और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा संयुक्त रूप से 'सोलर सखी' कार्यशाला का जयपुर में आयोजन किया गया। ■ **उद्देश्य :** 'प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत लाभार्थी महिलाओं को सौर ऊर्जा प्रणालियों के रखरखाव और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

8.	**सुरेंद्र सिंह शाहपुरा** ■ फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटेलिटी एंड ट्यूरिज्म ऑफ राजस्थान (FHTR) की वार्षिक आम सभा में सुरेंद्र सिंह शाहपुरा को वर्ष 2026-28 के कार्यकाल के लिए निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।
9.	**'स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट' में राजस्थान** ■ 'स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट' में राजस्थान के खिलाड़ियों ने सब जूनियर वर्ग में रजत पदक और जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। ■ 'स्पेशल ओलंपिक्स भारत' राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट के लिए 13 जनवरी, 2026 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्य स्तरीय चयन ट्रायल और शिविर का आयोजन किया गया। ■ इस शिविर में चयनित हॉकी टीम फरीदाबाद में 22 से 25 फरवरी, 2026 तक आयोजित होने वाले 'प्रथम स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप' में भाग लिया। ■ स्पेशल ओलंपिक्स भारत (SO Bharat) बौद्धिक दिव्यांग बच्चों और वयस्कों के लिए एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ है। यह संस्था खेल प्रशिक्षण और प्रतियोगिताएं आयोजित करके बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास और सामाजिक स्वीकृति दिलाने के लिए काम करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

भारत: एक उभरती हुई वैश्विक समुद्री महाशक्ति

चर्चा में क्यों?

- भारत की 11,098 किलोमीटर लंबी तटरेखा है। भारत का 23 लाख वर्ग किलोमीटर का संसाधन-संपन्न अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) है। साथ ही, 14,500 किलोमीटर अंतर्देशीय जलमार्ग हैं।

मुख्य बिन्दु:

- **GDP में योगदान:** वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 4% का योगदान।
- **पत्तनों की भूमिका:** भारत के व्यापार का लगभग 95% मात्रा के आधार पर और 70% मूल्य के आधार पर पत्तनों के माध्यम से व्यापार होता है।
- **जलमार्गों में वृद्धि:** अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही 2014 के 18 MMT से बढ़कर 2025 में 146 MMT हो गई है।

भारतीय समुद्री क्षेत्रक की मौजूदा चुनौतियाँ

- **पुराना बेड़ा:** भारत के पास कई जहाज 20 वर्ष से अधिक पुराने हैं। इससे रखरखाव की लागत बढ़ती है, कार्यक्षमता कम होती है और पर्यावरणीय चिंताएं उत्पन्न होती हैं।
- **विदेशी बेड़ों पर निर्भरता:** वर्ष 2023 में भारत ने विदेशी स्वामित्व वाले जहाजों को समुद्री माल ढुलाई के रूप में 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था।
- **हरित संक्रमण की बाधाएँ:** 'हरित पोत परिवहन' अपनाने में उच्च रेट्रोफिट लागत (30-50% प्रीमियम), कौशल की कमी और तकनीकी अवशोषण क्षमता का अभाव प्रमुख बाधाएँ हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समुद्री क्षेत्रक को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख पहलें

- **नीतिगत कार्रवाई:** सागरमाला कार्यक्रम (2015), मैरीटाइम इंडिया विज़न (2030), मैरीटाइम अमृत काल विजन (2047) आदि।
- **नए बंदरगाहों का विकास:** महाराष्ट्र में वधावन बंदरगाह का विकास, ग्रेट निकोबार द्वीप की गैलाथिया खाड़ी में एक ट्रांसशिपमेंट हब का निर्माण आदि।
- **विधायी सुधार:** पुराने कानूनों को प्रतिस्थापित करने के लिए पांच ऐतिहासिक समुद्री क्षेत्रक अधिनियम पारित किए गए हैं। ये अधिनियम भारतीय बंदरगाहों, वाणिज्यिक पोत परिवहन, समुद्री मार्ग द्वारा माल की ढुलाई, तटीय पोत परिवहन और बिल ऑफ लैडिंग से संबंधित हैं।
- **हरित पोत परिवहन:** बंदरगाह और जहाज संचालन को कार्बन मुक्त करने के लिए 'हरित सागर' दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

INS अंजदीप

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना चेन्नई बंदरगाह पर INS अंजदीप को सेवा में शामिल करने के लिए तैयार है।

मुख्य बिन्दु:

- यह 8 एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (ASW SWC) की श्रृंखला का तीसरा पोत है।
- इसका नाम कर्नाटक के कारवार तट के पास स्थित 'अंजदीप' नामक द्वीप के नाम पर रखा गया है।

INS अंजदीप

- यह एक अत्याधुनिक पोत है। इसे विशेष रूप से तटीय युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया गया है।
- **निर्माता:** गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोलकाता।

प्रमुख विशेषताएँ

- इसे दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने, उन पर नज़र रखने और उन्हें नष्ट करने के लिए 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में बनाया गया है।
- इसमें पूरी तरह स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर हथियार और सेंसर उपकरण शामिल हैं। इनमें हिल माउंटेड सोनार 'अभय' प्रमुख है।
- यह उच्च गति वाली 'वाटर-जेट प्रोपल्शन' प्रणाली से युक्त है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

औद्योगिक गलियारे भारत के औद्योगिक तंत्र को मजबूत करने की कुंजी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय बजट 2026-27 में दुर्गापुर में एक बेहतर कनेक्टिविटी वाले नोड के साथ एकीकृत पूर्वी तट औद्योगिक गलियारे को विकसित करने की घोषणा की गई। यह औद्योगिक गलियारों की दिशा में एक बड़े प्रोत्साहन को रेखांकित करती है।

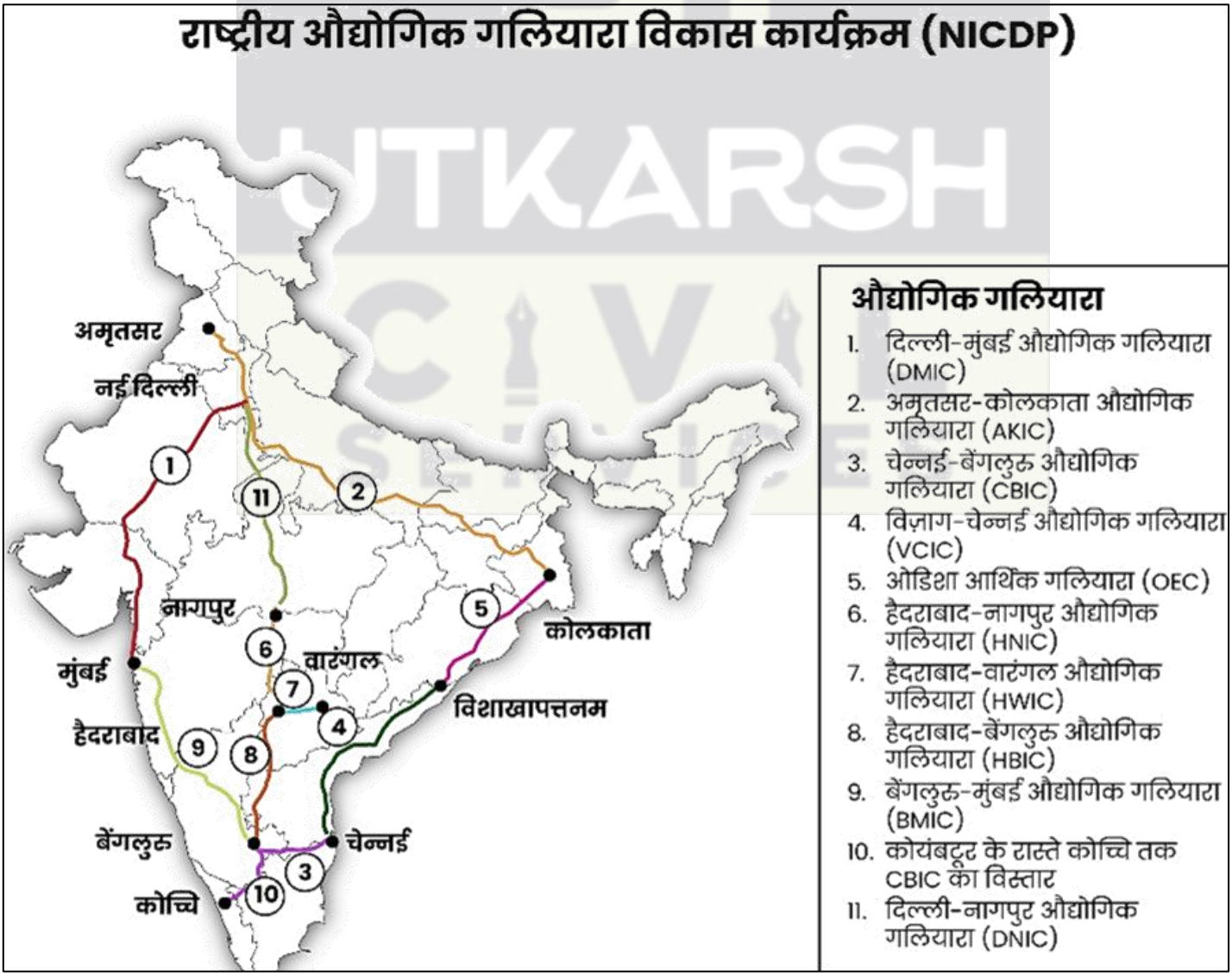

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

औद्योगिक गलियारा

- **अर्थ:** ये रेखीय विकास क्षेत्र हैं, जो सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के एकीकृत नेटवर्क के माध्यम से प्रमुख आर्थिक केंद्रों को आपस में जोड़ते हैं।
- ये विश्व स्तरीय अवसंरचनाओं से युक्त होते हैं, आर्थिक समूहन को सुगम बनाते हैं और केंद्रित निवेश के माध्यम से क्षेत्रीय क्षमताओं का उपयोग करते हैं।
- **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा कार्यक्रम (NICDP):** इसके तहत 11 गलियारों में विभिन्न परियोजनाएं लागू की जा रही हैं, जो निम्न-कार्बन शहरों का समर्थन करने वाले संधारणीयता-केंद्रित ढांचे पर आधारित हैं।
- **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (NICDC):** इसे पहले दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड के रूप में जाना जाता था। इसकी स्थापना जनवरी 2008 में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत NICDP को लागू करने के लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में की गई थी।

चुनौतियां

- **भूमि अधिग्रहण के मुद्दे:** उदाहरण- दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (DMIC) को 'ग्रीनफील्ड' विकास के लिए विशाल क्षेत्रों की आवश्यकता है, जो बड़े राज्यों द्वारा आसानी से प्रदान किए जा सकते हैं, जबकि छोटे राज्यों को इसमें कठिनाई होती है।
- **विभागों के बीच समन्वय का अभाव:** उदाहरण- चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (CBIC) में, तुमकुरु के पास औद्योगिक संपदा का संचालन 'तुमकुरु इंडस्ट्रियल टाउनशिप लिमिटेड' द्वारा किया जाता है, जो स्थानीय निकायों और अन्य एजेंसियों से स्वतंत्र रूप से कार्य करती है।
- **अन्य चुनौतियां:** राज्यों के समर्थन की कमी, कर्मचारियों में प्रशिक्षण का अभाव, और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) द्वारा स्थानीय लोगों के विचारों की अनदेखी आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

न्यायालय की अवमानना

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने टिप्पणी की है कि NCERT की पाठ्यपुस्तक में "न्यायपालिका में भ्रष्टाचार" के संदर्भों को 'न्यायालय की आपराधिक अवमानना' के दायरे में लाया जा सकता है।

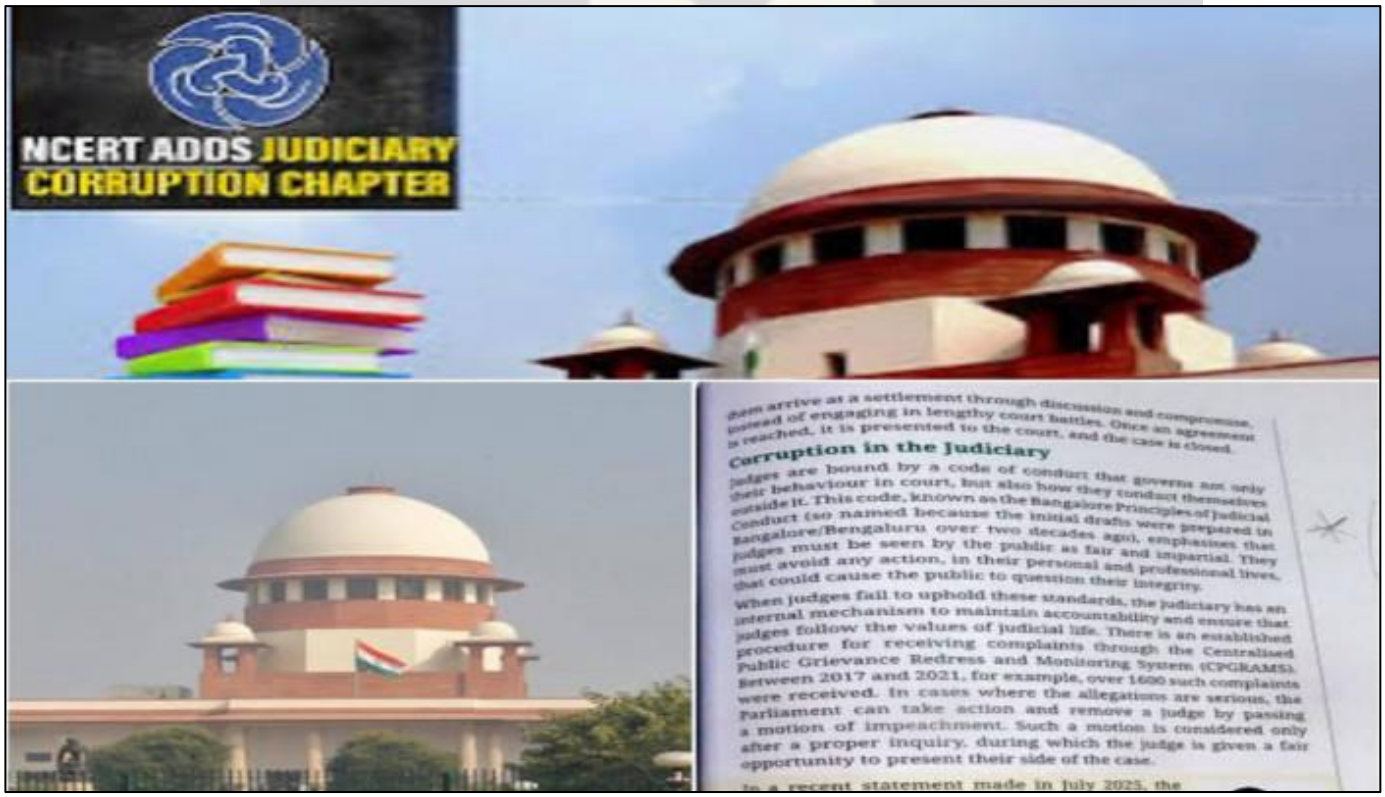

मुख्य बिन्दु:

न्यायालय की अवमानना

संवैधानिक प्रावधान:

- **अनुच्छेद 129:** उच्चतम न्यायालय को अपनी अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति प्रदान करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अनुच्छेद 215:** उच्च न्यायालयों को अपनी अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति प्रदान करता है।

विधायी प्रावधान:

- न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 इसे दो प्रकारों में वर्गीकृत करता है:
- **सिविल अवमानना:** न्यायालय के आदेशों या दिए गए आश्वासनों की जानबूझकर की गई अवज्ञा।
- **आपराधिक अवमानना:** कुछ भी ऐसा प्रकाशित करना या कुछ भी ऐसा करना (मौखिक, लिखित, संकेतों द्वारा आदि) जो:
- न्यायालय के प्राधिकार को धूमिल या उसे कमतर करता हो,
- न्यायिक कार्यवाही में पूर्वाग्रह पैदा करता हो या हस्तक्षेप करता हो,
- न्याय के प्रशासन में हस्तक्षेप या बाधा उत्पन्न करता हो।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

राज्य नवाचार मिशन (SIM)

चर्चा में क्यों?

- अटल इनोवेशन मिशन (AIM) ने त्रिपुरा में भारत का पहला राज्य नवाचार मिशन (SIM) शुरू किया है।

मुख्य बिन्दु:

राज्य नवाचार मिशन (SIM):

- यह नीति आयोग के 'राज्य सहायता मिशन' (SSM) ढांचे के तहत स्वीकृत AIM 2.0 का हिस्सा है।
- अटल इनोवेशन मिशन (AIM) को 2016 में नीति आयोग के तहत शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य पूरे भारत में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है।
- **प्रमुख पहलें:** अटल टिंकरिंग लैब्स (ATL), अटल इन्क्यूबेशन केंद्र (AIC), अटल समुदाय नवाचार केंद्र (ACIC)।
- यह राज्यों और संघ-राज्य क्षेत्रों (UTs) की सहायता के लिए एक दीर्घकालिक संस्थागत तंत्र के रूप में तैयार किया गया है।
- इसका लक्ष्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और स्थानीय शक्तियों के अनुरूप एक मजबूत, समावेशी और संदर्भ-विशिष्ट नवाचार प्रणाली का निर्माण करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) आधारित डिजिटल फूड करेंसी का पायलट कार्यक्रम शुरू किया है।

मुख्य बिन्दु:

- यह पायलट परियोजना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के लिए शुरू की गई है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)

- **शुरुआत:** वर्ष 2020
- **मुख्य उद्देश्य:** संकट के समय निर्धन, प्रवासी और कमजोर वर्ग के परिवारों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- **पात्र लाभार्थी:** अंत्योदय अन्न योजना (AAY) के परिवार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत प्राथमिकता प्राप्त परिवार (PHH)।
- **मुख्य लाभ:** अंत्योदय अन्न योजना परिवारों को प्रतिमाह निःशुल्क 35 किलोग्राम खाद्यान्न, PHH परिवारों को प्रति व्यक्ति निःशुल्क प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न।
- **वितरण प्रणाली:** सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के माध्यम से।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारतीय प्रधान मंत्री की इजरायल यात्रा संपन्न

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री की हालिया यात्रा के दौरान, भारत और इजरायल प्रमुख रणनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा व विस्तारित करने पर सहमत हुए।

मुख्य बिन्दु:

यात्रा के मुख्य परिणाम

- **संबंधों का उन्नयन:** संबंधों को शांति, नवाचार और समृद्धि के लिए विशेष रणनीतिक साझेदारी के रूप में उन्नत किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों (CET) पर नई पहल:** दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के नेतृत्व में AI, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षेत्रक को शामिल करने वाली एक नई पहल शुरू की गई।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और 'होराइजन स्कैनिंग/ रणनीतिक दूरदर्शिता तंत्र' का शुभारंभ किया गया।
- **कामगार आवागमन:** अगले 5 वर्षों में 50,000 तक भारतीय कामगारों का कोटा निर्धारित किया गया।
- **साइबर सुरक्षा सहयोग:** एक बहुवर्षीय साइबर सुरक्षा रोडमैप विकसित किया जाएगा और भारत में 'भारत-इजरायल साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना की जाएगी।
- **कृषि और जल प्रौद्योगिकी साझेदारी:** भारत-इजरायल कृषि नवाचार केंद्र (IINCA) की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, कृषि अनुसंधान में 20 संयुक्त फेलोशिप पर सहमति बनी।
- **अन्य:** UPI-इजरायल भुगतान लिंकेज की संभावना तलाश की जाएगी, 'भारत-इजरायल शैक्षणिक सहयोग मंच' और 'भारत-इजरायल संसदीय मैत्री समूह' का शुभारंभ किया गया।

भारत-इजरायल संबंधों का अवलोकन

- **राजनयिक:** भारत ने 1950 में इजरायल को मान्यता दी थी, पूर्ण राजनयिक संबंध 1992 से स्थापित हुए थे।
- **आर्थिक:** भारत, पण्य व्यापार में इजरायल का दूसरा सबसे बड़ा एशियाई व्यापारिक भागीदार है।
- **द्विपक्षीय व्यापार:** 3.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर (वित्त वर्ष 2024-2025)।
- **प्रमुख क्षेत्रक:** हीरा, रसायन और प्रौद्योगिकी।
- **रक्षा:** इजरायल भारत का एक प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता है।
- **प्रौद्योगिकी:** भारत-इजरायल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास और नवाचार कोष (I4F), ड्रिप सिंचाई, अलवणीकरण और जल प्रबंधन में सहयोग।
- **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी:** I2U2 और 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे' (IMEC) के तहत सहयोग।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हेक्सागॉन एलायंस

चर्चा में क्यों?

- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक नए भू-राजनीतिक समूह, हेक्सागोन एलायंस का प्रस्ताव रखा है, जिसके केंद्र में भारत होगा।

मुख्य बिन्दु:

षट्भुज गठबंधन

- "षट्भुज गठबंधन" में इज़राइल, भारत, ग्रीस और साइप्रस जैसे भूमध्यसागरीय सहयोगी देश, साथ ही अन्य अरब, अफ्रीकी और एशियाई राज्य शामिल होंगे।
- यह ढांचा तीन क्षेत्रों में काम करने के लिए बनाया गया है: आर्थिक सहयोग, राजनयिक समन्वय और सुरक्षा सहयोग।
- भारत के लिए, भागीदारी भूमध्य सागर और पश्चिम एशिया में इसकी बढ़ती रणनीतिक उपस्थिति को दर्शाएगी, जो भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) जैसी पहलों की पूरक होगी ।
- हालांकि, ऐसे गुट में अधिक गहन जुड़ाव से भारत के ईरान के साथ संबंध जटिल हो सकते हैं, जो एक प्रमुख कनेक्टिविटी साझेदार है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR